21 May SUNDAY 1-3.qxd 5/19/2017 7:30 PM Page 1

अजीत समाचार में ईयर पैनल कम खर्च में ज्यादा प्रचार
बुकिंग के लिए सम्पर्क करें
विज्ञापन मैनेजर
अजीत समाचार भवन, नेहरु गार्डन रोड, जालन्धर।
फोन : 0181-2455961-63 फैक्स : 2230455

रविवारीय परिशिष्ट
अजीत समाचार
AJIT SAMACHAR रविवार, 21 मई, 2017

ਫੈਟੀ ਲਿਵਰ ਅਤੇ ਕਾਲਾ ਪੀਲੀਆ
(ਹੈਪੇਟਾਈਟਸ ਬੀ ਅਤੇ ਹੈਪੇਟਾਈਟਸ ਸੀ)
ਫ੍ਰੀ ਸੈਮੀਨਾਰ: ਐਤਵਾਰ
28 ਮਈ, 2017
2PM to 5PM
ਡਾ: ਕਰੁਨ ਵਰਮਾ (MBBS) ਅਤੇ ਟੀਮ
ਕਰੁਨਾ ਹਸਪਤਾਲ
ਪਟਿਆਲਾ ਪੁਰੀ ਬਾਈਪਾਸ, ਨੇੜੇ ਜੀ.ਜੀ. ਐਸ. ਸਕੂਲ ਸੰਗਰੂਰ।
ਫੋਨ: 98884-84880

रैनसमवेयर अटैक
यह भविष्य के विश्व युद्ध की रिहर्सल है

आइंस्टीन ने कभी कहा था कि दुनिया में तीसरा विश्व युद्ध पानी के लिए होगा। आइंस्टीन सही थे, जब उन्होंने यह भविष्यवाणी की थी तब तक के इंसान की मनोरचना के मुताबिक यह सबसे सटीक भविष्यवाणी थी। वास्तव में पिछली सदी के उत्तरार्ध तक पानी सबसे बड़ा संसाधन और सबसे बड़ा हथियार था। पानी अब पहले से भी ज्यादा अमूल्य और दुर्लभ संसाधन है। लेकिन पानी में हथियार बन सकने लायक आज के लिए अनुकूल एकांतिकता और तीव्रता नहीं है। पानी संसाधन है तो भी सामूहिक और समस्या है तो भी सामूहिक। एक आदमी के लिए बाढ़ नहीं आ सकती और न ही चुनकर कुछ लोगों को पानी से वंचित किया जा सकता है। जबकि आज की तारीख में भीड़ में भी दुश्मन पर इस कुशलता से हमले की कोशिश की जाती है कि सिर्फ वही मरे। युद्ध अब बिना खून-खराबा, बिना अफरा-तफरी घातक गतिविधि के रूप में डिजायन हो रहे हैं।

दरअसल तकनीक ने इंसान को वैयकितक और आरामप्रिय बनाया है। वो दिन गए अब जब कभी सेनायें पूरी-पूरी रात घुटनों के बल रेंगकर दुश्मन के मोर्चे की तरफ सरका करती थीं। भविष्य में ऐसे युद्ध नहीं होंगे, जिसमें बहुत मेहनत हो और जिनमें आमने-सामने का जोखिमभरा मुकाबला करना पड़े। भविष्य के विश्वयुद्ध मानसिक और तकनीकी होंगे। वातानुकूलित जगहों में बैठकर तकनीकी के हथियार से शत्रु को तहस-नहस करने की मंशा से संचालित होंगे। गुजरी 12-13 मई 2017 को 'रैनसमवेयर मालवेयर' का जो अटैक एक साथ दुनिया के 150 से ज्यादा देशों में हुआ और एक झटके में ही 2 लाख से ज्यादा कम्प्यूटरों के डाटा को तहस-नहस कर दिया, भविष्य के युद्ध ऐसे होंगे। यह अटैक वास्तव में इसी तरह के युद्धों की एक रिहर्सल था।

भारत हालांकि इस हमले से उतना प्रभावित नहीं हुआ, जितना कुछ दूसरे देश हुए हैं। लेकिन भारत इससे अछूता भी नहीं रहा। हमारे यहां आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र में इस हमले का असर देखा गया है। लेकिन हम अगर बच गए हैं या हम पर अटैक उतना प्रभावी नहीं रहा, जितना कुछ दूसरे देशों में रहा तो इसलिए नहीं कि हमने इससे निपटने की कोई चाक-चौबंद तैयारी कर रखी थी। हम दरअसल इसलिए सबसे कम प्रभावितों में से रहे क्योंकि हमारी जीवनशैली अभी इस कदर डिजिटलाइज नहीं हुई जितना उन देशों की हो चुकी है, जहां इसका असर ज्यादा रहा है। लेकिन यह हमला एक किस्म से हमारी आंखें खोलने वाला है। क्योंकि हम अभी डिजिटल युग की प्रारंभिक पगडंडी में ही हैं। बिल्कुल शुरुआती चरण में। सरकार ने पिछले एक साल में देश को डिजिटल हाईवे पर लाने की तो बहुत कोशिशें की हैं; लेकिन सुरक्षा के लिहाज से ज्यादा कुछ नहीं किया ऐसे में देखा जाए तो रैंसमवेयर अटैक भारत के लिए एक आई ओपनर है।

स्नाशा

कल्पना करिए हमको फोकस करके अगर यह अटैक हुआ होता तो हमें इससे कितना ज्यादा नुक्सान झेलना पड़ता। तब वास्तव में भारत के करीब 70 फीसदी एटीएम इसकी चपेट में आ सकते थे।

(शेष पृष्ठ III पर)

सफलता का नया इतिहास रचती फिल्म 'बाहुबली-2'

वर्ष 2008 में जब 'गज़नी' को 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाली पहली हिन्दी फिल्म करार दिया था तो बॉलीवुड में खुशी की लहर दौड़ गई थी। ट्रेड पंडितों ने राय देनी शुरू कर दी कि अगर ढंग की फिल्म बनाई जाए व सही तरह से प्रमोट व रिलीज़ की जाए तो फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा छूने में सफल हो सकती है। 'गज़नी' की बदौलत बॉलीवुड को 'हंड्रेड करोड़ क्लब' के ग्रुप में नया शब्द मिला और हर निर्माता का यही सपना होता था कि उसकी फिल्म इस क्लब में शामिल हो जाए। हंड्रेड करोड़ क्लब में फिल्म का शामिल होना फिल्म की सफलता का पैमाना माने जाना लगा। फिर जब 'थ्री इडियटस' ने 200 करोड़ का आंकड़ा पार किया तो बॉलीवुड को सफलता का नया पैमाना मिल गया और 'पीके', 'बजरंगी भाईजान', 'सुल्तान' व 'दंगल' ने 300 करोड़ का आंकड़ा छुआ तो लगा कि अब वह दिन दूर नहीं जब कोई फिल्म 500 करोड़ का बिजनेस कर लेगी। हज़ार करोड़ के आंकड़े के बारे में तो बॉलीवुड में किसी ने सोचा नहीं था।

इन्द्रमोहन पन्नू

यही वजह है कि अब जब 'बाहुबली' डब फिल्म ने 1100 करोड़ से अधिक का बिजनेस कर लिया तो फिल्म का इतना भारी भरकम कलैक्शन देख हर कोई अपने दांतों तले उंगली दबा गया। कई लोग तो अभी यह समझने में लगे हैं कि हज़ार करोड़ की संख्या में कितने शून्य होते हैं और 'बाहुबली-2' की महासफलता ने इस संख्या को हकीकत में तबदील कर दिया है। यह फिल्म सफल होगी यह तो माना जा रहा था पर इतना तगड़ा कारोबार करेगी यह शायद ही किसी ने सोचा था।

वैसे जब 2015 में 'बाहुबली' प्रदर्शित हुई थी तब फिल्म का अंश देख यह तो साफ हो गया था कि जल्द ही इसका दूसरा भाग आएगा। तब यह राष्ट्रीय प्रश्न बन गया था कि कटप्पा ने बाहुबली को क्यों मारा? दो साल बाद अब 'बाहुबली-2', के ज़रिए देश को जवाब मिल गया कि कटप्पा द्वारा बाहुबली को मारने की क्या वजह थी। ऐसा नहीं है कि सिर्फ बाहुबली को मारने की वजह जानने के लिए लोग सिनेमाघरों में टूट पड़े। दरअसल इस फिल्म में कई ऐसी बातें हैं जिस वजह से यह देश की सबसे बड़ी हिट फिल्म बन पाने में कामयाब हो गई।

पहली बात तो यह कि 'बाहुबली' के दोनों वर्जन पूर्ण रूप से भारतीय हैं। इसकी कहानी से लेकर किरदारों में भारतीय परम्परा छलकती है। आज जहां हर दूसरी हिन्दी फिल्म हॉलीवुड की नुकलनुमा होती है वहीं 'बाहुबली' ने दर्शा दिया कि भारतीय संस्कृति को कहानी में पिरोकर सफल फिल्म बनाई जा सकती है। फिल्म में न तो अश्लील दृश्य हैं न ही अश्लील गीत या कामेडी है। ऐसे में यह पूर्ण रूप से पारिवारिक फिल्म है। माना कि फिल्म में राजा-रजवाड़े की बात कही गई है पर यहां मां की ममता, वफादारी, बहादुरी, सच्चाई व प्यार को कहानी में इस तरह पिरोया गया है कि फिल्म अंत तक बांधे रखती है। फिल्म का सबसे सशक्त पक्ष उसका तकनीकी ताम-झाम है। फिल्म के भव्य सैट्स व दिलकश एक्शन दृश्य इसका प्रमुख आकर्षण साबित हुए हैं। निर्देशक एस.एस. राजामौली ने वी.एफ.एक्स की मदद से फिल्म को इतनी अच्छी तरह से सजाया है कि यह फिल्म विज्युअल ट्रीट का नमूना बन पड़ी है और यही वजह है कि इस फिल्म को देख दर्शक जब बाहर निकलता है तो उसके दिलो-दिमाग पर फिल्म के दृश्यों का असर छाया रहता है।

पहली 'बाहुबली' का तगड़ा बिजनैस देख राजामौली यह तो भांप गए थे कि दर्शक इसका दूसरा भाग देखने को बेताब होंगे। साथ ही वे यह भी चाहते थे

(शेष पृष्ठ III पर)

टालइन
एक दिन के सफर में सदियों के इतिहास का अनुभव

यूरोप में सबसे अधिक संरक्षित या अपरिवर्तित पुराना शहर कौन सा है? लन्दन, पेरिस, मास्को ...अरे नहीं। एस्टोनिया की राजधानी टालइन, जिसका स्वरूप आज भी सदियों पहले जैसा ही है और उसे खूब संभालकर रखा गया है। इसके प्रवेश पर पाक्स मार्गारीटा (मोटी मार्गरिट) का निर्माण लगभग 500 वर्ष पूर्व किया गया था तोपखाना टावर के रूप में ताकि आशंकित घुसपैठियों व आक्रांताओं को इससे दूर रखा जा सके। लेकिन इससे कोई फायदा हुआ नहीं क्योंकि शताब्दियों तक एक देश या दूसरे देश की गुलामी में रहने के बाद एस्टोनिया को 1991 में ही आजादी मिली है। बहरहाल, तोपखाना टावर का नाम जिस मार्गरिट के नाम पर रखा गया है वह मोटी थी या नहीं, इस बारे में इतिहास खामोश है, लेकिन टावर में पर्याप्त साक्ष्य हैं कि उसे यह संज्ञा अपने गुणों के आधार पर मिली है।

आप जैसे ही हेल्सिंकी से आने वाली नाव से उतरकर बादामी रंग के नीरस व थका देने वाले सोवियत शैली के विहारस्थल की सीढ़ियों से उतरेंगे तो सबसे पहला ऐतिहासिक स्थल आपको पाक्स मार्गारीटा ही नज़र आयेगा। फिनलैंड की खाड़ी से तेज चलने वाली नाव से आप मात्र दो घंटे में टालइन पहुंच सकते हैं। एस्टोनिया में आपका शेंजेन वीजा भी काम कर जायेगा। अपनी ऐतिहासिक सीमाओं से बाहर टालइन ने हर दिशा में अपना विस्तार किया है, लेकिन यात्रा के पहले चक्र में आपके पास अगर सुबह से शाम तक का ही समय है तो आप अपना टारगेट केवल पुराने शहर को ही रखिये जो कि यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट है। इसलिए नाव से उतरो, सीढियां चढ़ो, पब्लिक प्लेटफार्म पर पहुंचो और फिर नीचे उतरो व सीधा 16वीं शताब्दी के टावर में पहुंच जाओ, जो कभी बन्दूकों, तोपों, गोला बारूद आदि का स्टोर था। कुछ समय के लिए यह जेलखाना भी रहा, लेकिन आज इसमें एस्टोनिया का सागरीय म्यूजियम है।

शैलेंद्र सिंह

(शेष पृष्ठ III पर)

आयुर्वेद-प्राकृतिक समाधान

☎ 18001028384

प्र0 – मेरी उम्र 34 साल है। मेरा वजन 80 किग्रा है। मुझे अपना वजन कम करना है ताकि में सुन्दर लग सकूं । आप मेरा मार्गदर्शन करें ।

– अलका, भटिंडा

उ0 – आप बैद्यनाथ की मेदोहर गुग्गुल 2-2 गोली सुबह-शाम गुनगुने जल से खाली पेट लें और मेदोहर विडंगादि लौह की 1-1 गोली, 10 एम.एल. महारास्नादि काढा के साथ लें। साथ ही आप मीठा, चावल, आलू ज्यादा न खाएं। सुबह- शाम कम से कम 2 किमी0 टहलें।

प्र0 – मेरी उम्र 28 साल है मुझे शारीरिक कमजोरी रहती है। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

– अमरदीप, चंडीगढ़

उ0 – आप बैद्यनाथ का शक्ति रस 2 कैप्सूल गुनगुने दूध के साथ सोते समय लें, स्वपनदोशहरि टेबलेट 2-2 सुबह शाम सादा जल से लें, मसालेदार व गरम भोजन का सेवन न करें, हरी सब्जियों व फल का सेवन करें।

प्र0 – मेरी उम्र 30 साल है। मुझे 2-3 महीने से मुहांसे हो रहे है तथा अक्सर पेट भी साफ नहीं होता है जिसके कारण मेरा चेहरा अच्छा नहीं लगता है मुझे कोई आयुर्वेदिक उपचार बताएं ताकि मुहासें से बचा जा सके।

– दलेर सिंह, लुधियाना

उ0 – सर्वप्रथम तो आप चेहरे को कई बार धोयें व तला-भुना खाना, खट्टे पदार्थ न खाएं फिर बैद्यनाथ रक्तशोधक बटी 2-2 गोली सुबह – शाम, रक्तशोधक सीरप 2-2 चम्मच सुबह – दोपहर – शाम लें व रात में सोते समय 2 गोली विरेचनी गुनगुने पानी से लें ।

प्र0 – मेरी उम्र 43 वर्ष है, मैं 3 साल से डायबिटीज से पीढ़ित हूं। अंग्रेजी दवा खाने के बाद में भी शुगर कन्ट्रोल नहीं है। क्या आपके पास कोई उपचार है।

–जसविन्दर, पठानकोठ

उ0– आप डायबिन की 2-2 टेबलेट सुबह शाम 1-1 मधुमेहरि योग टेबलेट जल के साथ लें तथा सुबह – शाम भोजन के बाद मधुमेहरि दाने 1-1 चम्मच पानी से लें।

प्र0 – मेरी उम्र 45 साल है। मैं 5 वर्षो से हाई केलिस्ट्रोल और ब्लड प्रेशर से परेशान हूँ। क्योंकि मेरा व्यवसाय में टूरिंग अधिक होती है तो मैं ज्यादा परहेज भी नहीं कर पाता। मेरे फैमली डॉक्टर ने बताया कि मेरे परिवार में इस बीमारी के ज्यादा लक्षण अनुवांशिक होने के कारण हैं। क्या आयुर्वेद इस तरह की बीमारियों में भी काम करता है ?

–लखन सिंह, पटियाला

उ0 – आयुर्वेद में हृदय रोग और उसका उपचार विस्तार से बताया है। रिसर्च फाउण्डेशन ने गहन शोध के बाद कार्डविन का निर्माण किया है। Cardiwin को USFDA और Patent Department ने हृदय रोग में उपयोगिता के लिए विशेष मान्यता भी दी है। इसके उपयोग से हृदय और रक्त संचार को नुकसान पहुचाने वाले LDL, VLDL और Triglycerides को काबू में किया जाता है। इसमें उपयुक्त औषधि द्रव्य जैसे अर्जुन, पुष्करमूल और Seabuck thorn हृदय को बल देती है और चर्बी के जमा होने से होने वाले Blockage को भी दूर करती है। यह पूर्णतः Herbal है और इसका कोई दुष्परिणाम भी नहीं है। Cardiwin के नियमित उपयोग से आप Bypass और Angioplasty जैसे मंहगे इलाज से भी बच सकते हैं। आप अभी से Cardiwin का सेवन करें। अधिक जानकारी के लिए आप हमारे विशेषज्ञों से बात कर सकते हैं।

उपरोक्त चिकित्सा रोगियों के लक्षणों के आधार पर दी गई है, औषधियों का प्रयोग चिकित्सक की देखरेख में करें।

डाक्टर परामर्श : सुबह 9 से शाम 6 बजे तक
08826650444
01126713270
वैद्य शैशव कुमार एवं वैद्य सचिन जैन
172, गुसाईपुरा, झांसी Email :contact@baidyanath.co.in

प्रायोजित
बैद्यनाथ
असली आयुर्वेद
मधुमेहारि योग
(स्वर्ण युक्त)
प्रमेह
मधुमेह में उपयोगी
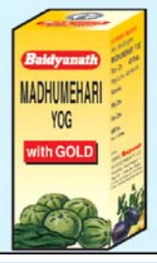

मधुमेहारी
दाने
मधुमेह
में लाभदायक